ART INTEGRATED LEARNING ACTIVITIES

शिखर 2

पाठ 1: सुबह

1. **रचनात्मक कोना:** रविवार को सुबह जगने के बाद तुम क्या-क्या करते हो? कक्षा में बताओ। **(पेज 7)**
2. उगते सूरज के चित्र में रंग भरो। **(पेज 7)**

पाठ 2: गधे की नादानी

1. **रचनात्मक कोना:** नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो –

   मोनू साइकिल चलाकर बाज़ार गया। बाज़ार में उसकी साइकिल की ट्यूब फट गई। ट्यूब के फटने की आवाज़ सोनू ने सुनी। उसे लगा कि बाज़ार में बम फटा है। वह शोर मचाने लगा, "भागो-भागो! बम फटा है।"

   इसके बाद क्या हुआ होगा? कक्षा के चार-पाँच बच्चे मिलकर सुनाओ। **(पेज 14)**

पाठ 3: नन्हा बादल

1. **रचनात्मक कोना:** पता करो कि 'बादल का बरसना' और 'बादल का फटना' में क्या अंतर होता है। **(पेज 22)**

पाठ 4: सबकी माँ–मदर टेरेसा

1. **रचनात्मक कोना:** पुरानी पत्रिका या समाचारपत्र से मदर टेरेसा का चित्र काटकर अपनी कॉपी में चिपकाओ। चित्र के नीचे इस प्रकार से सूचना लिखो। **(पेज 28)**
2. पता करो कि 'मदर्स डे' और 'फ़ादर्स डे' कब मनाया जाता है। **(पेज 28)**

पाठ 6: होली आई

1. **रचनात्मक कोना:** तुम होली का त्योहार किस प्रकार मनाते हो? कक्षा में बताओ। **(पेज 35)**
2. रंगीन कागज़ का एक टुकड़ा लो। उसपर नीचे दी गई आकृतियाँ बनाओ। उन आकृतियों को अपने से किसी बड़े की सहायता से काट लो। अब उन्हें अपनी कॉपी में इस प्रकार चिपकाओ कि वह पिचकारी बन जाए। **(पेज 35)**

पाठ 7: राजा और गिलहरी

1. **रचनात्मक कोना:** गिलहरी का चित्र अपनी कॉपी में चिपकाओ। चित्र के नीचे गिलहरी के बारे में पाँच वाक्य लिखो। **(पेज 44)**
2. इस पाठ को कक्षा में अभिनय के साथ सुनाओ। **(पेज 44)**

पाठ 8: मैं हूँ आम

1. **रचनात्मक कोना:** तुम्हें भी सपने आते होंगे। अपने किसी एक सपने के बारे में कक्षा में बताओ। **(पेज 52)**
2. आम का चित्र बनाओ और इसके बारे में पाँच पंक्तियाँ लिखो। **(पेज 52)**

पाठ 9: गुरु नानकदेव

1. **रचनात्मक कोना:** गुरु नानकदेव के जीवन से जुड़ी कोई अन्य घटना अपनी अध्यापिका से सुनो। **(पेज 57)**

2. किन्हीं दो प्रसिद्ध गुरुद्वारों के चित्र अपनी कॉपी में चिपकाओ और उनके नीचे उनका नाम भी लिखो। **(पेज 57)**

पाठ 11: पेड़

1. **रचनात्मक कोना:** पेड़ का एक चित्र बनाओ और उसमें रंग भरो। **(पेज 66)**

पाठ 12: फूटा घड़ा

1. **रचनात्मक कोना:** घड़ा मिट्टी का बना होता है। पता करो कि इसे बनाने वाले कौन होते हैं। कुछ ऐसी चीज़ों के नाम पता करो जो मिट्टी से बनाई जाती हैं। **(पेज 72)**
2. तुमने प्यासे कौए की कहानी अवश्य पढ़ी होगी। कक्षा में वह कहानी सुनाओ। **(पेज 72)**

पाठ 13: भारत-दर्शन–मुंबई की सैर

1. **रचनात्मक कोना:** तपने को मंजुल दीदी का पत्र मिल गया है। वह अपने मित्र जयेश को इस पत्र के बारे में बताता है। तपन ने जयेश को क्या-क्या बताया होगा, कक्षा में सुनाओ। **(पेज 77)**
2. मान लो, तुमने अपने मित्र को पत्र लिखा है। अब पोस्टकार्ड पर उसका पता लिखो– **(पेज 77)**

पाठ 14: बबीता का पपीता

1. **रचनात्मक कोना:** फूल देने वाले और फल देने वाले पाँच-पाँच पेड़ों के नाम लिखो। **(पेज 84)**

पाठ 16: कितनी बड़ी

1. **रचनात्मक कोना:** नीचे लिखी पंक्तियाँ पढ़ो–

   एक बार अध्यापक महोदय ने श्यामपट्ट पर एक रेखा खींची। उन्होंने बच्चो से कहा कि इस रेखा को छोटी करो। अध्यापक महोदय ने यह भी कहा कि रेखा को मिटाकर छोटी नहीं करनी है। बच्चे सोच में पड़ गए, 'रेखा को छोटी करें तो कैसे करें!'

   अब तुम कक्षा के उन बच्चों की मदद किस प्रकार कर सकते हो, बताओ। **(पेज 93)**
2. हम मनुष्यों के दो पैर होते हैं जबकि गाय के चार पैर होते हैं। और मक्खी के? मक्खी के छह पैर होते हैं। वह पैरों वाले कुछ जीवों ने नाम पता करो। **(पेज 93)**

पाठ 17: एक गिलास दूध

1. **रचनात्मक कोना:** जब तुम्हारे मम्मी-पापा कोई सामान खरीदते हैं तब वे दुकानदार से बिल लेते हैं। ऐसे कम-से-कम चार बिल लेकर अपनी कॉपी में चिपकाओ। फिर यह जानने की कोशिश करो कि उनमें किन-किन बातों की जानकारी होती है। **(पेज 100)**

पाठ 18: जूते की कहानी

1. **रचनात्मक कोना:** जूते जोड़े में पहने जाते हैं। जोड़े में पहनी जाने वाले कुछ चीज़ों के नाम पता करो। **(पेज 107)**
2. अपने माता-पिता या अभिभावक से जूते बनाने वाली कुछ कंपनियों के नाम पता करो। **(पेज 107)**

पाठ 19: एक थे शेखचिल्ली

1. **रचनात्मक कोना:** अपनी माता जी से खीर बनाने की विधि पूछकर लिखो। **(पेज 115)**

ART INTEGRATED LEARNING ACTIVITIES

शिखर 2

शिक्षक संदर्शिका

पाठ 1: सुबह

1. **अध्यापक संकेत:** कविता की एक-एक पंक्ति का लय के साथ वाचन करें। बच्चों से ध्यान से अनुकरण करने को कहें। कविता वाचन करते समय बीच में आए कठिन शब्दों के अर्थ बच्चों को बताते जाएँ। बच्चों से पूछें तथा उन्हें समझाएँ –

   - वे सुबह कितने बजे उठते हैं?
   - उनके घर में सबसे पहले कौन जागता है?
   - क्या वे सुबह उठने में या अपना काम करने में आलस करते हैं?
   - आलस नहीं करना चाहिए। आलसी व्यक्ति को कोई पसंद नहीं करता। हमें मन लगाकर अपना काम करना चाहिए।
   - रात को जल्दी सोना चाहिए तथा सुबह जल्दी उठना चाहिए।
   - जब सुबह वे स्कूल के लिए घर से निकलते हैं तब रास्ते में उन्हें क्या-क्या दिखाई देता है। इससे बच्चों को अपनी-अपनी तरह से बात कहने का अवसर मिलेगा और उनकी अवलोकन क्षमता का विकास भी होगा।
   - कविता का भाव स्पष्ट करते जाएँ। जैसे – **'ये प्रातः की सुखबेला है, धरती का सुख अलबेला है।'** – इन पंक्तियों का भाव है – सुबह होने पर धरती के सभी प्राणियों को नया जीवन तथा नई स्फूर्ति मिलती है।

   'अगर सुबह भी अलसा जाए, तो क्या जग सुंदर हो पाए!' – इन पंक्तियों का भाव है – सोचो, यदि सुबह के समय भी हम आलस करेंगे तो क्या हमारे काम समय पर हो पाएँगे! हमारे तन-मन में स्फूर्ति का संचार होगा!

   - इस कविता के द्वारा आलस त्यागकर मेहनत करने की सीख मिलती है।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 29)**

पाठ 2: गधे की नादानी

1. **अध्यापक संकेत:** पाठ का पहले स्वयं आदर्श वाचन करें। बच्चों से ध्यान से सुनने को कहें। यह जानने के लिए कि बच्चे ध्यान से सुन रहे हैं या नहीं बीच-बीच में उनसे प्रश्न भी पूछते जाएँ। कठिन शब्दों का उच्चारण करते हुए श्यामपट्ट पर लिखें तथा उनका अर्थ बताते जाएँ।

   बच्चों से पूछिए तथा उन्हें समझाइए–

   - उन्हें यह कहानी कैसी लगी? यदि तुम उस जंगल से गुज़र रहे होते तो क्या तुम भी गधे की बात सुनकर उसपर विश्वास कर लेते? अथवा समझदारी से काम लेते हुए पहले सारी बात समझने का प्रयास करते?
   - जंगल में रहने वाले तथा घर में रहने वाले (पालतू) पशुओं के बारे में पूछिए।
   - उन्हें भिन्न-भिन्न जानवरों के स्वभाव आदि के बारे में बताएँ जैसे – बंदर शरारती होता है, लोमड़ी तथा सियार चालाक होते हैं आदि।

- कहानी पढ़ाते समय बच्चों से पूछें कि क्या वे किसी की भी बात पर विश्वास कर लेते हैं?
- बच्चों से कहानी से मिलने वाली शिक्षा के संबंध में चर्चा कीजिए।
- पाठ के अंत में गधा अपनी गलती के लिए सबसे माफ़ी माँगता है। बच्चों से पूछें कि यदि उनसे कोई गलती अथवा भूल हो जाए तो वे अपनी गलती की माफ़ी माँगते हैं या नहीं। समझाएँ कि गलती होने पर माफ़ी माँगना शिष्टाचार को प्रदर्शित करता है।
- बच्चों की वर्तनी संबंधी अशुद्धियों को दूर करने के लिए पाठ में आए कठिन शब्दों को श्रुतलेख के रूप में बच्चों से लिखवाएँ।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 31)**

पाठ 3: नन्हा बादल

1. **अध्यापक संकेत:** पाठ वाचन से पूर्व पाठ की संक्षिप्त पृष्ठभूमि तैयार करते हुए बच्चों से बादलों के बारे में चर्चा करें। जैसे – उन्हें बताएँ कि बादल कई रंगों के होते हैं। कभी-कभी तुम्हें बादलों में अलग-अलग आकृतियाँ भी दिखाई देती होंगी आदि। आज हम रंग-बिरंगे बादलों की कहानी पढ़ेंगे। पहले स्वयं पाठ का आदर्श वाचन करें। प्रत्येक बच्चे से भी पाठ का एक-एक अंश पढ़वाएँ। बीच-बीच में पाठ से संबंधित प्रश्न पूछते हुए पाठ की ओर बच्चों का ध्यान सुनिश्चित करते रहें।

   बच्चों से पूछें तथा उन्हें समझाएँ –

   - बच्चों को विभिन्न रंगों के बादलों के बारे में बताएँ।
   - उन्हें किस रंग के बादल अच्छे लगते हैं?
   - जब बादल गरजते हैं और जल बरसाते हैं तो उन्हें कैसा लगता है?
   - उन्हें बताएँ कि घमंड करना अच्छी बात नहीं है।
   - क्या उन्होंने कभी अपने किसी मित्र की सहायता की है। उन्हें समझाएँ कि आवश्यकता पड़ने पर हमें दूसरों की सहायता करनी चाहिए।
   - जिस प्रकार लोगों ने नन्हे बादल को मदद करने के लिए धन्यवाद दिया। उसी तरह जब कोई तुम्हारी मदद करे तो उसका धन्यवाद अवश्य करना चाहिए।
   - पाठ समाप्त होने पर बादलों से जुड़ी कोई कविता भी बच्चों को सुनाई जा सकती है।
   - बादल कैसे बनते हैं, यह भी संक्षिप्त रूप में बच्चों को बताया जा सकता है।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 32)**

पाठ 4: सबकी माँ–मदर टेरेसा

1. **अध्यापक संकेत:** पाठ पढ़ाने से पूर्व पाठ की पृष्ठभूमि तैयार करते हुए बच्चों से 'माँ' से संबंधित चर्चा करें। उनसे उनकी माँ के बारे में पूछें। जैसे कि उनकी माँ उनकी देखभाल कैसे करती हैं। वे उनके लिए क्या-क्या पकाती हैं, क्या वे भी अपनी माँ की देखभाल करते हैं आदि-आदि। चर्चा करते हुए बच्चों का रुझान पाठ की ओर दिलाएँ। फिर उन्हें बताएँ कि आज हम मदर टेरेसा के बारे में जानेंगे।

   पाठ का स्वयं वाचन कीजिए। बच्चों को भी मौन वाचन करने के लिए प्रेरित कीजिए।

   बच्चों से पूछिए तथा उन्हें समझाइए –

   - 'मदर्स डे' किस दिन होता है?

- उन्हें बताएँ कि दूसरों की सेवा-सहायता करना अच्छी बात होती है।
- अपने से बड़ों का आदर करना चाहिए एवं उनका कहना मानना चाहिए।
- पाठ में उभारे गए जीवन-मूल्यों की चर्चा कीजिए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 34)**

पाठ 5: जादुई सिक्का

1. **अध्यापक संकेतः** डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 35)**

पाठ 6: होली आई

1. **अध्यापक संकेतः** कविता पढ़ाने से पूर्व बच्चों से त्योहारों के बारे में चर्चा करें। पूछें कि उन्हें कौन-कौन से त्योहार अच्छे लगते हैं। क्या उन्हें होली खेलना अच्छा लगता है आदि। उन्हें बताएँ कि आज हम होली की कविता पढ़ेंगे। उचित लय, तान तथा स्वर के उतार-चढ़ाव के साथ कविता का वाचन कीजिए। बच्चों को भी इसी प्रकार वाचन करने के लिए प्रेरित कीजिए।

   बच्चों से पूछिए तथा उन्हें समझाइए –

   - कविता की पंक्तियों का भाव स्पष्ट करें। 'सरसों फूली, गेहूँ लहका, अमराई का आँगन महका'–पंक्तियों का अर्थ बताएँ कि सरसों और गेहूँ की फसलें रबी अर्थात् सर्दी की फसलें होती हैं इसलिए जब होली आती है तब ये फसलें पक गई होती हैं।
   - बच्चों को होलिका और प्रहलाद से जुड़ी कहानी सुनाएँ और उन्हें बताएँ कि होली क्यों मनाई जाती है।
   - उन्हें बताएँ कि 'फागें' एक प्रकार के होली के गीत होते हैं।
   - होली से मिलने वाला संदेश बच्चों को समझाएँ। होली बुराई पर अच्छाई की जीत का त्योहार है। इसे हँसी-खुशी से मनाना चाहिए। इस अवसर पर किसी से लड़ाई-झगड़ा नहीं करना चाहिए।
   - वे होली कैसे खेलते हैं। कहीं वे पानी के गुब्बारे तो लोगों पर नहीं फेंकते, यदि वे ऐसा करते हैं तो उन्हें समझाएँ कि इस तरह से दूसरों को नुकसान पहुँच सकता है।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 36)**

पाठ 7: राजा और गिलहरी

1. **अध्यापक संकेतः** पाठ पढ़ाने से पूर्व पाठ की पृष्ठभूमि तैयार करें। बच्चों से गिलहरी के बारे में चर्चा करें। उनसे पूछें, तुमने अपने घर की छतों पर गिलहरी को देखा होगा। तुमने उनके कुछ नाम भी रखे होंगे, जैसे–गिल्लू गिलहरी, कुटकुट गिलहरी आदि। बच्चों से कहें कि आज हम जो पाठ पढ़ने वाले हैं, उसमें भी एक गिलहरी है। पाठ का वाचन करें। बच्चों से भी पाठ का वाचन करने को कहें। पाठ पढ़ाते समय बीच में आने वाले कठिन शब्दों के अर्थ बताते जाएँ। बच्चों का ध्यान पाठ की ओर सुनिश्चित करने के लिए बीच-बीच में पाठ के घटनाक्रम के बारे में चर्चा भी करते जाएँ।

   बच्चों से पूछिए तथा उन्हें समझाइए –

   - बच्चों से पूछें कि गिलहरी को क्या खाना सबसे अच्छा लगता है। गिलहरी अखरोट तथा मूँगफली बहुत चाव से खाती है।

- उन्हें समझाएँ कि विद्यालय में या बाहर किसी को चिढ़ाना नहीं चाहिए।
- बच्चों को समझाएँ कि काम करने वाले शब्द क्रिया कहलाते हौं जसै` – खाना, भागना, उठना, चलना आदि। प्रतिदिन किए जाने वाले कामों के उदाहरणों के माध्यम से भी समझाया जा सकता है।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 37)**

पाठ 8: मैं हूँ आम

1. **अध्यापक संकेत:** पाठ वाचन से पूर्व पाठ की विषय वस्तु से संबंधित पृष्ठभूमि तैयार करें। बच्चों से पूछें कि उन्हें कौन-सा फल सबसे अच्छा लगता है। अधिकांशत बच्चों को आम ही भाता है। उनसे पूछें कि फलों का राजा किसे कहा जाता है। उन्हें बताएँ कि आम की लगभग 1100 किस्में भारत में पाई जाती हैं। बताएँ कि आज हम जो पाठ पढ़ेंगे, उसमें आम के बारे में ही बहुत-सी बातें बताई गई हैं। अब पाठ का वाचन करें। बच्चों से भी एक-एक अंश पढ़वाएँ। बीच-बीच में बच्चों से पाठ से संबंधित चर्चा करते रहें जिससे बच्चों की रुचि बनी रहे।

   बच्चों से पूछिए तथा उन्हें समझाइए –

   - उन्हें यह पाठ कैसा लगा?
   - उनकी माँ 'आम' से क्या-क्या बनाती हैं। उन्हें बताएँ, आम से अचार, चटनी, मुरब्बा, जैली, जैम आदि बनाया जाता है।
   - आम के पेड़ की लकड़ी का प्रयोग दरवाज़े-खिड़कियाँ, फर्नीचर आदि बनाने में किया जाता है। आम के पत्तों को पूजा आदि शुभ अवसरों पर प्रयोग करना अच्छा माना जाता है।
   - यदि शोभित की तरह उनके सपने में भी 'आम' आ जाए तो वे उससे क्या-क्या प्रश्न पूछेंगे?
   - पाठ में निहित जीवन-मूल्यों को उभारने का प्रयास करें। बच्चों से पूछें, यदि उनकी माँ उन्हें कोई चीज़ देने के लिए मना कर देती हैं तो वे क्या करते हैं – उस चीज़ को लेने की ज़िद पकड़ लेते हैं या अपनी माँ का कहना एक बार में ही मान जाते हैं। यदि ज़िद करते हैं तो उन्हें समझाएँ कि माता-पिता जो करते हैं, उनके भले के लिए करते हैं इसलिए उनका कहना मानना चाहिए।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 39)**

पाठ 9: गुरु नानकदेव

1. **अध्यापक संकेत:** पाठ का वाचन करें फिर बच्चों को मौन वाचन करने के लिए प्रेरित करें। बच्चों से पाठ से संबंधित चर्चा कीजिए।

   बच्चों को नानकदेव जी के बारे में बताएँ। दूसरों की सहायता करना अच्छी बात होती है। बच्चों को मिल-जुलकर रहने की शिक्षा दें। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ बताते जाएँ।

   बच्चों से पूछिए –

   - बालक नानक ने माँ के दिए सारे पैसे गरीब लोगों को देकर सही किया या गलत। यदि तुम उनकी जगह होते तो क्या करते–क्या तुम वहाँ से आगे बढ़ जाते? या फिर उसमें से कुछ पैसे उन्हें देते और शेष बचे पैसों से सामान खरीदते?
   - बच्चों को गुरुपर्व के बारे में बताएँ। उन्हें बताएँ 'शबद' क्या होते हैं।
   - बच्चों को एकवचन तथा बहुवचन के बारे में बताएँ। आम बोलचाल में प्रयोग किए जाने वाले कुछ सरल शब्द बोलें और बच्चों से उनके बहुवचन रूप बताने को कहें। जैसे – पेंसिल–पेंसिलें,

रोटी–रोटियाँ आदि।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 40)**

पाठ 10: मदद के हाथ

1. **अध्यापक संकेत:** डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 41)**

पाठ 11: पेड़

1. **अध्यापक संकेत:** कविता का उचित हाव-भाव के साथ वाचन करें। बच्चों से भी कविता का मौन वाचन करवाएँ। बच्चों से पेड़ से संबंधित चर्चा करें। उनसे पूछें यदि सचमुच पेड़ चलने लग जाएँ तो वे पेड़ के साथ क्या-क्या करेंगे। क्या वे पेड़ के साथ खेलेंगे या फिर बाग के सबसे अच्छे और फलदार पेड़ को अपने घर ले जाएँगे।
   - बच्चों को पेड़ के बारे में बहुत-सी महत्वपूर्ण बातें भी बताएँ, जैसे-पेड़ हमें साँस लेने के लिए शुद्ध हवा प्रदान करते हैं। उनसे हमें छाया, फल, लकड़ी, दवाइयाँ आदि न जाने कितनी ही चीज़ें मिलती हैं।
   - बच्चों से उनकी कल्पनाओं के बारे में भी जानें। इससे बच्चों में अपने विचारों को प्रकट करने संबंधी झिझक समाप्त होगी।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 42)**

पाठ 12: फूटा घड़ा

1. **अध्यापक संकेत:** पाठ वाचन से पूर्व पाठ की संक्षिप्त पृष्ठभूमि तैयार करें। बच्चों से पूछें, क्या उनके घर में पानी भरने के लिए घड़े का प्रयोग किया जाता है? यदि नहीं तो उन्हें बताएँ कि पहले जब फ्रिज नहीं हुआ करते थे तब घड़ों एवं सुराहियों में पानी भरकर ठंडा किया जाता था। उनसे पूछें, यदि उनके घरों में घड़े का प्रयोग होता है तो उसमें छेद हो जाने पर उसका क्या किया जाता है। क्या उसे तोड़कर फेंक दिया जाता है अथवा उसमें पेड़-पौधे लगा दिए जाते हैं? इस चर्चा के बाद बच्चों को बताएँ कि आज हम दो घड़ों की कहानी पढ़ेंगे। पाठ का स्वयं वाचन करें। बीच-बीच में बच्चों से पाठ से संबंधित प्रश्न पूछकर पाठ की ओर उनका ध्यान सुनिश्चित करें। पाठ में निहित जीवन-मूल्यों को बच्चों में विकसित करने का प्रयास कीजिए।
   - उन्हें घमंड न करने की सीख दें। उन्हें समझाएँ कि दूसरों की कमियों का मज़ाक नहीं उड़ाना चाहिए। बल्कि उनकी विशेषताओं की ओर ध्यान देना चाहिए। बच्चों में सकारात्मक सोच विकसित कीजिए।
   - बच्चों को पानी के स्रोत – झरना, तालाब, नदी, समुद्र आदि के बारे में बताएँ। जैसे – झरना पहाड़ों से नीचे की ओर झरता है। नदी निरंतर बहती रहती है और अंत में समुद्र में जाकर मिल जाती है आदि।
   - बच्चों से पूछें क्या उनके घर में पेड़-पौधे हैं। क्या वे उनमें प्रतिदिन पानी देकर उन्हें हरा-भरा रखते हैं?

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 43)**

पाठ 13: भारत-दर्शन–मुंबई की सैर

1. **अध्यापक संकेत:** पत्र पढ़ने-पढ़ाने से पूर्व बच्चों को पत्र विधा से परिचित करवाएँ। उन्हें बताएँ कि पत्र को चिट्ठी या खत भी कहते हैं। वर्तमान में संदेश भेजने के लिए एस॰एम॰एस॰ या ई-मेल का उपयोग किया जाता है परंतु पूर्व के कालों में राजा-महाराजा अपने संदेश कबूतरों अथवा घुड़सवारों के माध्यम से पहुँचाया करते थे। धीरे-धीरे लिफ़ाफ़े पर नाम-पता लिखकर डाकिये द्वारा चिट्ठियाँ एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाई जाने लगीं। यदि कोई संदेश तुरंत पहुँचाना होता था तो तार का प्रयोग किया जाता था। तार सेवा भी अब बंद हो गई है। बच्चों को इस संबंध में संक्षिप्त जानकारी दें।

   अब पाठ का वाचन शुरू करें और बताएँ कि यह पाठ एक पत्र है। वाचन के साथ-साथ अथवा बाद में बच्चों से पूछिए –

   - वे घूमने के लिए कहाँ-कहाँ जा चुके हैं। उन्हें कौन-सा स्थान सबसे अच्छा लगा आदि। प्रश्नों द्वारा बच्चों की रोचकता को बनाएँ एवं बढ़ाएँ।
   - उन्हें बताएँ कि घूमना-फिरना अच्छा होता है। इससे हम अलग-अलग स्थानों की रोचक एवं ज्ञानवर्धक बातें जान पाते हैं।
   - पाठ में आए संयुक्ताक्षर वाले शब्दों प्यार, प्रणाम, छुट्टी, अच्छा आदि को श्यामपट्ट पर लिखकर समझाएँ।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 45)**

पाठ 14: बबीता का पपीता

1. **अध्यापक संकेत:** यह पाठ पेड़-पौधों के रंग-रूप, आकार-प्रकार आदि के बारे में संक्षिप्त जानकारी से भरा हुआ है। बच्चों से पूछें, वे कौन-कौन से फल खाना पसंद करते हैं। उन्हें एक जैसे दिखने वाले पेड़ों के बारे में बताएँ। उन्हें बताएँ कि पपीते का पेड़ बहुत ऊँचा होता है। पपीते की तरह नारियल तथा खजूर का पेड़ भी बहुत ऊँचा होता है। कद्दू भी आकार एवं रंग आदि में पपीते की ही तरह लगता है। कद्दू को सीताफल, पेठा आदि भी कहते हैं। इससे पेठा मिठाई भी बनती है तथा इसकी सब्ज़ी भी बनाई जाती है।

   बच्चों से पूछें तथा उन्हें समझाएँ –

   - क्या उनके घर में पेड़-पौधे हैं? यदि हैं तो उनकी देखभाल कौन करता है?
   - बच्चों को बीज से पेड़ बनने तक की संक्षिप्त प्रक्रिया समझाएँ।
   - उन्हें बताएँ कि पपीते की तरह अधिकांश फल जब कच्चे होते हैं तब हरे रंग के होते हैं तथा जब पक जाते हैं तो पीले रंग के हो जाते हैं। जैसे – आम, केला, अमरूद आदि।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 47)**

पाठ 16: कितनी बड़ी

1. **अध्यापक संकेत:** कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों से भी कविता की पंक्तियों का वाचन करवाएँ। बच्चों को मक्खी जैसे अन्य छोटे-छोटे जीवों के बारे में बताएँ। कविता में आए कठिन शब्दों का अर्थ स्पष्ट करते जाएँ।

   - बच्चों को कविता में आए–सागर-सा, पर्वत-सी, भाला-सा आदि शब्दों के बारे में बताएँ कि इनका अर्थ होता है–सागर के जैसा, पर्वत के जैसा, भाले के जैसा आदि।

- कविता में आए संयुक्ताक्षरों–प्य, क्ख, स्त आदि को श्यामपट्ट पर लिखें तथा बच्चों से पूछते हुए उनसे बनने वाले शब्द लिखते जाएँ।
- बच्चों से पूछें–क्या उनके मन में भी इस तरह की कल्पनाएँ आती हैं अथवा वे किसी चीज़ के बारे में जानने की इच्छा रखते हैं। बच्चों को अभिव्यक्ति का भरपूर अवसर दें।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 48)**

पाठ 17: एक गिलास दूध

1. **अध्यापक संकेत:** पाठ की संक्षिप्त पृष्ठभूमि तैयार करें। बच्चों को डॉ. होवार्ड केली के बारे में बताएँ। बच्चों से पूछें कि क्या उन्होंने कभी किसी की सहायता की है? यदि वे किसी की सहायता करते हैं तो उसके बदले में क्या उससे कुछ लेते भी हैं?

   बच्चों में सहायता, सेवा, कृतज्ञता आदि भावों एवं मूल्यों को विकसित कीजिए।

   - कष्ट, प्रयास, मूल्य, ख्याति, हस्ताक्षर आदि कठिन शब्दों का उच्चारण करते हुए श्यामपट्ट पर लिखें, इन शब्दों का अर्थ बताएँ। इन शब्दों का उच्चारण करने के लिए बच्चों को प्रेरित करें। ये शब्द संयुक्ताक्षर हैं। पाठ में आए अन्य संयुक्ताक्षरों के बारे में समझाएँ।
   - पाठ में से कुछ शब्द बोलें और बच्चों को अपनी पुस्तिका पर लिखने को कहें। बच्चों के लेखन एवं वर्तनी की शुद्धता पर ध्यान दीजिए।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 50)**

पाठ 18: जूते की कहानी

1. **अध्यापक संकेत:** पाठ वाचन से पूर्व पाठ की एक संक्षिप्त पृष्ठभूमि तैयार करें। बच्चों से पूछें, उन्हें कैसे जूते पहनना पसंद है–चमड़े के या कपड़े के। बच्चों के उत्तर सुनने के बाद उन्हें बताएँ कि किसी भी चीज़ का निर्माण या आविष्कार किसी न किसी विशेष कारण अथवा उसकी आवश्यकता को ध्यान में रखकर ही होता है। फिर उन्हें बताएँ कि आज हम जो पाठ पढ़ने जा रहे हैं, उसमें बताया गया है कि जूते की आवश्यकता क्यों पड़ी तथा जूता कैसे बना। अब पाठ का आदर्श वाचन करें। प्रत्येक बच्चे को पाठ का एक-एक अंश पढ़ने के लिए प्रेरित करें।

   - पाठ में आए कठिन शब्दों का उच्चारण करते हुए श्यामपट्ट पर लिखते जाएँ। बच्चों से शब्दों को दोहराने के लिए कहें एवं उन्हें उनके अर्थ भी बताते जाएँ।
   - पाठ से मिलने वाली शिक्षा तथा जीवन-मूल्यों पर चर्चा करें।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 51)**

पाठ 19: एक थे शेखचिल्ली

1. **अध्यापक संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों को शेखचिल्ली के बारे में बताएँ कि वे एक काल्पनिक पात्र हैं तथा इनके किस्से बहुत मशहूर हैं। वे अपने मूर्खतापूर्ण कार्यों से किसी न किसी मुसीबत में फँसते ही रहते हैं। लेकिन वे बहुत ईमानदार और सज्जन हैं।

   - शेखचिल्ली ने गुड़ और चावल से खीर बनाई। बच्चों को इससे बनने वाले कुछ व्यंजनों के बारे में बताएँ। जैसे – गुड़ से गज्जक, चीले, लड्डू आदि तथा चावल से बिरयानी, पुलाव आदि बनाया जाता है।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 53)**

पाठ 20: कहानी पृथ्वी माँ की

1. **अध्यापक संकेत:** डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 54)**